News Letter

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10,1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University , Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

04 नवम्बर, 2020

मुक्त विश्वविद्यालय में

"INCLUSIVE EDUCATION, OPEN AND DISTANCE LEARNING & NATIONAL EDUCATION POLICY:2020"

विषय पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के मा0 कुलपति, प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी

राष्ट्रीय वेबीनार

दिनांक 04 नवम्बर, 2020 को उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं दृष्टिवाधितार्थ पुनर्वास संस्थान लखनऊ के संयुक्त तत्वाधान में बुधवार पूर्वाह्न 11:00 से दोपहर 01:00 बजे तक दिव्यांगजनों के शैक्षणिक उन्नयन को ध्यान में रखते हुए तैयार हो रहे मानव संसाधन के ज्ञानार्जन के पक्ष को उत्कृष्टता प्रदान करने हेतु **"INCLUSIVE EDUCATION, OPEN AND DISTANCE LEARNING & NATIONAL EDUCATION POLICY:2020" विषय पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन** किया गया। उक्त आयोजन के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता डॉ0 कमलेश कुमार पाण्डेय, पूर्व सीसीपीडी एण्ड चेयरपर्सन, आरसीआई एण्ड नेशनल ट्रस्ट रहें तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी ने की। कार्यक्रम के प्रारम्भ में मा0 अतिथियों का स्वागत कार्यक्रम निदेशक प्रो0 पी. के. पाण्डेय ने किया। राष्ट्रीय वेबीनार के कार्यक्रम सह–निदेशक, डॉ0 राकेश जैन ने कार्यक्रम के बारे में विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। संयोजक डॉ0 नीता मिश्रा, आयोजन सचिव श्री परविंद कुमार वर्मा ने अतिथियों का औपचारिक परिचय दिया। अधिन्यास एवं परावर्तन श्री रामणि पाल एवं श्री परविंद कुमार वर्मा ने तथा संचालन एवं धन्यवाद श्री नागेश कुमार पाण्डेय ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के निदेशक, शिक्षक, अधिकारी एवं परामर्शदाताओं के साथ देश के विभिन्न राज्यों के विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों, शैक्षणिक संस्थानों आदि प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। राष्ट्रगान के उपरान्त कार्यक्रम का समापन हुआ।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए सह– माडरेटर श्री नागेश कुमार पाण्डेय

अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम निदेशक प्रो0 पी0के0 पाण्डेय

वेबकान का विषय प्रवर्तन करते हुए कार्यक्रम सह–निदेशक डॉ0 राकेश जैन

माoअतिथियों का परिचय देते हुए (क्रमशः) डॉ0 नीता मिश्रा एवं श्री परविंद कुमार वर्मा

कार्यक्रम संयोजक–डॉ0 नीता मिश्रा

आयोजन सचिव– श्री परविंद कुमार वर्मा

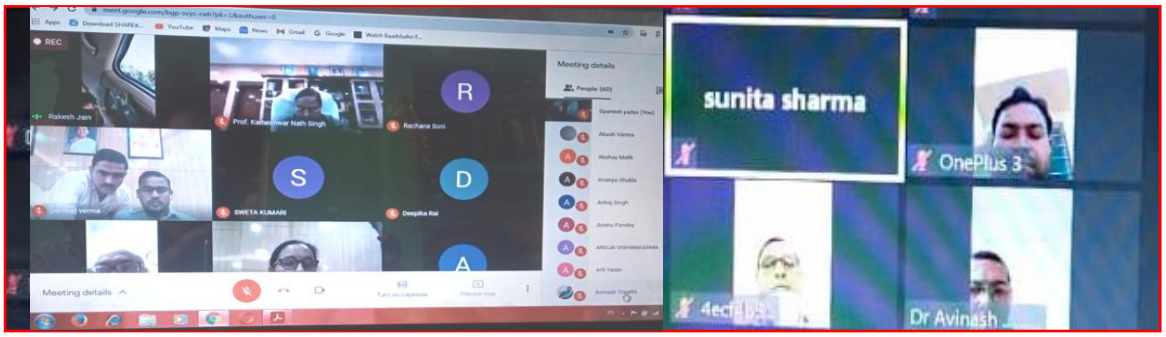

मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता का उद्बोधन

दिव्यांगजनों के शिक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है मुक्त विश्वविद्यालय : डॉ0 कमलेश कुमार पाण्डेय

डॉ0 कमलेश कुमार पाण्डेय

वेबीनार के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता राष्ट्रीय पुनर्वास परिषद, नई दिल्ली के पूर्व चेयरमैन डॉ कमलेश कुमार पाण्डेय ने कहा कि सभी राज्यों में एक मुक्त विश्वविद्यालय का होना अत्यंत आवश्यक है। आज दिव्यांगों में जागरूकता बढ़ी है। विज्ञान ने इतनी तरक्की कर ली है कि आज समाज में कोई भी दिव्यांग नहीं है। यदि कोई दिव्यांग है तो संपूर्ण समाज दिव्यांग है, क्योंकि साइंस तथा टेक्नोलॉजी ने वह संपूर्ण सुविधाएं उपलब्ध करा दी हैं जिससे कि दिव्यांग व्यक्ति सामान्य व्यक्तियों की तरह अपनी जीविका का निर्माण कर सकता है।

उन्होंने कहा कि मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा नई शिक्षा नीति में एक अहम भूमिका निभा सकती हैं साइन लैंग्वेज और ब्रेल के विस्तार की बातें नई शिक्षा नीति में की गई है जिसमें सामान्य व्यक्ति भी इस शिक्षा को समझें और उसी के अनुरूप दिव्यांगों को शिक्षा प्रदान करें। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय दिव्यांग जनों के शिक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है तथा दिव्यांगता के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है।आज समाज में दिव्यांगों के लिए समावेशी शिक्षा की बात हो रही है, जबकि हमारे देश में समावेशी शिक्षा पूर्व से ही चली आ रही है।

अध्यक्षीय उद्बोधन

कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

दिव्यांगता समाज पर भार नहीं – प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि समाज में जब कोई विद्यालय नहीं था तो व्यक्ति के गुणों की पूजा होती थी। अतीत में हमारे समाज में अनेक साहित्यकार, कवि, सन्यासियों ने जन्म लिया, जिनकी शारीरिक अक्षमता को दरकिनार करके समाज ने उनकी क्षमता को स्वीकारा जो सभी के लिए प्रेरणा स्रोत का काम करता है। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि दिव्यांगता समाज पर भार नहीं है। यह जो भूले बिसरे पिछड़े हैं उनके भी कुछ सपने हैं। उनके सपनों को पूरा करने के लिए समाज के सभी वर्गों को संवेदनशील होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि हमें अपनी मेधा को पुनर्जीवन देना है। सूरदास, अष्टावक्र इत्यादि विद्वानों का आविर्भाव इसी धरा पर हुआ। हमें नई पीढ़ी को इनके बारे में बताना चाहिए जो दिव्यांग होते हुए अपनी प्रतिभा का लोहा समाज में मनवाएं और समाज में उनकी क्षमता का सम्मान किया गया।

धन्यवाद ज्ञापित करते हुए सह–आयोजन सचिव श्री नागेश कुमार पाण्डेय

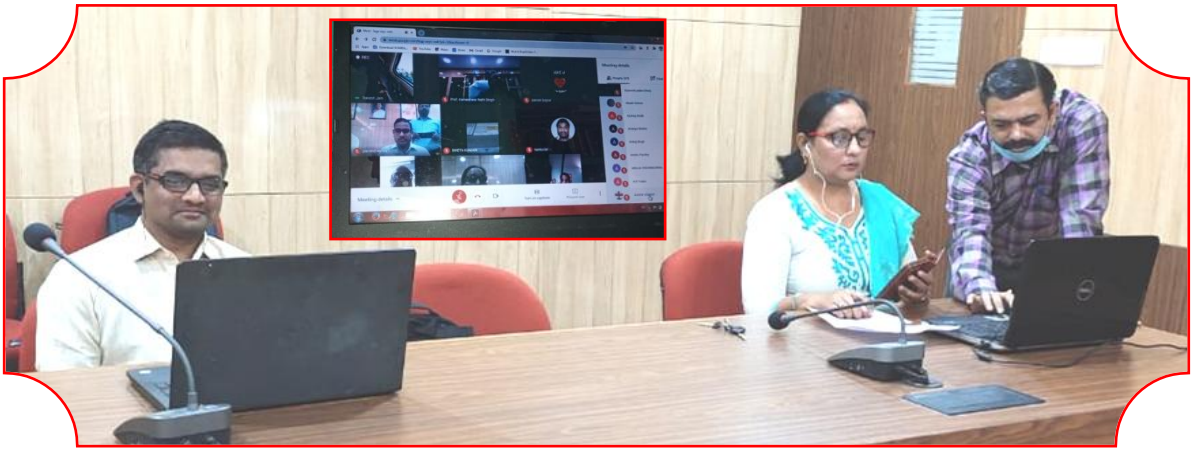

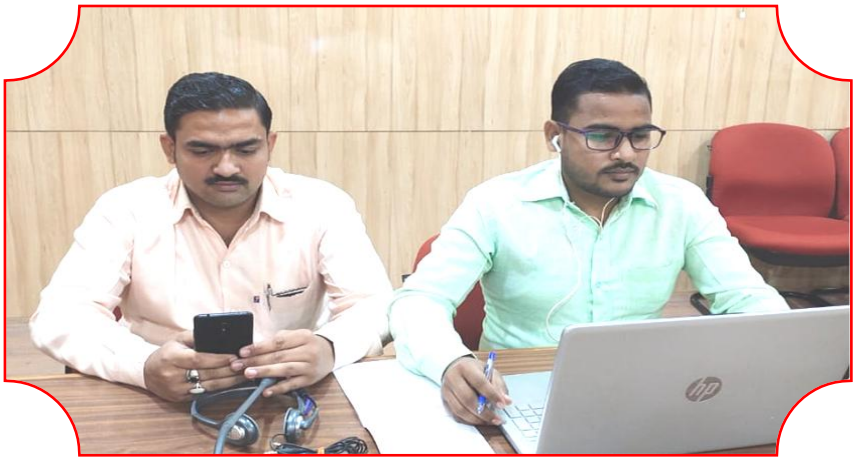

हिन्दी दैनिक
इलाहाबाद एक्सप्रेस
वर्ष : 11 अंक : 217, प्रयागराज, गुरुवार 5 नवम्बर 2020, पृष्ठ 8, मूल्य 1 रुपया

सभी राज्यों में मुक्त विवि का होना अत्यंत आवश्यक : डॉ कमलेश

दिव्यांगता समाज पर भार नहीं : कुलपति

प्रयागराज। सभी राज्यों में एक मुक्त विश्वविद्यालय का होना अत्यंत आवश्यक है। विज्ञान ने इतनी तरक्की कर ली है कि आज समाज में कोई भी दिव्यांग नहीं है। यदि कोई दिव्यांग है तो सम्पूर्ण समाज दिव्यांग है, क्योंकि साइंस तथा टेक्नोलॉजी ने वह सम्पूर्ण सुविधाएं उपलब्ध करा दी हैं, जिससे दिव्यांग व्यक्ति सामान्य व्यक्तियों की तरह अपनी जीविका का निर्माण कर सकता है।

उक्त विचार मुख्य वक्ता राष्ट्रीय पुनर्वास परिषद, नई दिल्ली के पूर्व चेयरमैन डॉ. कमलेश कुमार पांडेय ने बुधवार को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं रिहैबिलिटेशन सोसाइटी ऑफविजुअली इंपेयर्ड के संयुक्त तत्वावधान में ÷समावेशी शिक्षा, मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020÷ विषय पर आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार में व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा नई शिक्षा नीति में एक अहम भूमिका निभा सकती है। साइन लैंग्वेज और ब्रेल के विस्तार की बातें नई शिक्षा नीति में की गई है जिसमें सामान्य व्यक्ति भी इस शिक्षा को समझें और उसी के अनुरूप दिव्यांगों को शिक्षा प्रदान करें। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि दिव्यांग जनों के शिक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है तथा दिव्यांगता के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है। आज समाज में दिव्यांगों के लिए समावेशी शिक्षा की बात हो रही है, जबकि हमारे देश में समावेशी शिक्षा पूर्व से ही चली आ रही है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि समाज में जब कोई विद्यालय नहीं था तो व्यक्ति के गुणों की पूजा होती थी। अतीत में हमारे समाज में अनेक साहित्यकार, कवि, सन्यासियों ने जन्म लिया। जिनकी शारीरिक अक्षमता को दरकिनार करके समाज ने उनकी क्षमता को स्वीकारा, जो सभी के लिए प्रेरणा स्रोत का काम करता है। उन्होंने कहा कि दिव्यांगता समाज पर भार नहीं है। उनके सपनों को पूरा करने के लिए समाज के सभी वर्गों को संवेदनशील होना आवश्यक है।

हमें अपनी मेधा को पुनर्जीवन देना है। सूरदास, अष्टावक्र इत्यादि विद्वानों का आविर्भाव इसी धरा पर हुआ। जो दिव्यांग होते हुए अपनी प्रतिभा का लोहा समाज में मनवाए और समाज में उनकी क्षमता का सम्मान किया गया। वेबीनार में कार्यक्रम निदेशक प्रो. पी.के पांडे, डॉ. राकेश जैन, डॉ. नीता मिश्रा, परविंद्र कुमार वर्मा, राजमणि पाल तथा नागेश कुमार पांडेय आदि ने विचार व्यक्त किए।

दैनिक सच्चाई की जंग
लोकमित्र
वर्ष : 27 | अंक : 5
प्रतापगढ़ |गुरुवार, 5 नवम्बर-2020
पृष्ठ : 8 | मूल्य : 3 रुपये
संस्थापक : श्रद्धेय स्व. रामनिरंजन भगवन
प्रतिदिन की खबरों के लिए देखें www.dailylokmitra.com

दिव्यांगता समाज पर भार नहीं-प्रोफेसर सिंह

लोकमित्र ब्यूरो

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं रिहैबिलिटेशन सोसाइटी ऑफ विजुअली इंपेयर्ड के संयुक्त तत्वाधान में बुधवार को ÷समावेशी शिक्षा, मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020÷ विषय पर एक राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया।वेबीनार के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता राष्ट्रीय पुनर्वास परिषद, नई दिल्ली के पूर्व चेयरमैन डॉ कमलेश कुमार पांडे ने कहा कि सभी राज्यों में एक मुक्त विश्वविद्यालय का होना अत्यंत आवश्यक है। आज दिव्यांगों में जागरूकता बढ़ी है। विज्ञान ने इतनी तरक्की कर ली है कि आज समाज में कोई भी दिव्यांग नहीं है। यदि कोई दिव्यांग है तो संपूर्ण समाज दिव्यांग है, क्योंकि साइंस तथा टेक्नोलॉजी ने वह संपूर्ण सुविधाएं उपलब्ध करा दी हैं जिससे कि दिव्यांग व्यक्ति सामान्य व्यक्तियों की तरह अपनी जीविका का निर्माण कर सकता है।उन्होंने कहा कि मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा नई शिक्षा नीति में एक अहम भूमिका निभा सकती हैं साइन लैंग्वेज और ब्रेल के विस्तार की बातें नई शिक्षा नीति में की गई है जिसमें सामान्य व्यक्ति भी इस शिक्षा को समझें और उसी के अनुरूप दिव्यांगों को शिक्षा प्रदान करें। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय दिव्यांग जनों के शिक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है तथा दिव्यांगता के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है।आज समाज में दिव्यांगों के लिए समावेशी शिक्षा की बात हो रही है, जबकि हमारे देश में समावेशी शिक्षा पूर्व से ही चली आ रही है।कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि समाज में जब कोई विद्यालय नहीं था तो व्यक्ति के गुणों की पूजा होती थी। अतीत में हमारे समाज में अनेक साहित्यकार, कवि, सन्यासियों ने जन्म लिया, जिनकी शारीरिक अक्षमता को दरकिनार करके समाज ने उनकी क्षमता को स्वीकारा जो सभी के लिए प्रेरणा स्रोत का काम करता है। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि दिव्यांगता समाज पर भार नहीं है। यह जो भूले बिसरे पिछड़े हैं उनके भी कुछ सपने हैं। उनके सपनों को पूरा करने के लिए समाज के सभी वर्गों को संवेदनशील होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि हमें अपनी मेधा को पुनर्जीवन देना है। सूरदास, अष्टावक्र, इत्यादि विद्वानों का आविर्भाव इसी धरा पर हुआ। हमें नई पीढ़ी को इनके बारे में बताना चाहिए, जो दिव्यांग होते हुए अपनी प्रतिभा का लोहा समाज में मनवाएं और समाज में उनकी क्षमता का सम्मान किया गया।वेबीनार में कार्यक्रम निदेशक प्रोफेसर पी के पांडे, डॉ राकेश जैन, डॉ नीता मिश्रा, परविंद्र कुमार वर्मा, राजमणि पाल तथा नागेश कुमार पांडेय आदि ने विचार व्यक्त किए ।

दैनिक जागरण

युवा जागरण 135

दिव्यांगता समाज पर भार नहीं : कुलपति

जासं, प्रयागराज : उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय एवं रिहैबिलिटेशन सोसाइटी ऑफ विजुअली इंपेयर्ड के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को 'समावेशी शिक्षा, मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020' विषयक राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथि राष्ट्रीय पुनर्वास परिषद नई दिल्ली के पूर्व चेयरमैन डॉ. कमलेश कुमार पांडेय ने कहा कि सभी राज्यों में एक मुक्त विश्वविद्यालय का होना अत्यंत आवश्यक है। आज समाज में कोई भी दिव्यांग नहीं है। अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि समाज में जब कोई विद्यालय नहीं था तो व्यक्ति के गुणों की पूजा होती थी। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि दिव्यांगता समाज पर भार नहीं है। यह जो भूले बिसरे पिछड़े हैं उनके भी कुछ सपने हैं। सपनों को पूरा करने के लिए समाज के सभी वर्गों को संवेदनशील होना होगा। वेबिनार में कार्यक्रम निदेशक प्रोफेसर पीके पांडेय, डॉ. राकेश जैन, डॉ. नीता मिश्रा, परविंद्र कुमार वर्मा, राजमणि पाल आदि ने विचार व्यक्त किए।

अमर उजाला
अमर उजाला प्रयागराज युवा Youth

सभी राज्यों में मुक्त विवि आवश्यक

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि एवं रिहैबिलिटेशन सोसाइटी ऑफ विजुअली इंपेयर्ड की ओर से 'समावेशी शिक्षा, मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020' विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय पुनर्वास परिषद नई दिल्ली के पूर्व चेयरमैन डॉ. कमलेश कुमार पांडेय ने दिव्यांगों के उत्थान के लिए सभी राज्यों में एक मुक्त विवि खोले जाने का सुझाव दिया। अध्यक्षता कर रहे कुलपति प्रो. केएन सिंह ने कहा कि समाज में जब कोई विद्यालय नहीं था तो व्यक्ति के गुणों की पूजा होती थी। वेबिनार में निदेशक प्रो. पीके पांडेय, डॉ. राकेश जैन, डॉ. नीता मिश्रा, परविंद्र कुमार वर्मा, राजमणि पाल, नागेश कुमार पांडेय आदि ने विचार व्यक्त किए।

आरबीआई बंपर विदेशी मुद्रा भंडार से कमाएगा पेज 15 | बोपन्ना और मराक कड़े संघर्ष के बाद दूसरे दौर में पेज 16
हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया

गुरुवार, 05 नवंबर 2020, प्रयागराज, पांच प्रदेश, 21 संस्करण, नगर संस्करण
www.livehindustan.com
युवा
आज का दिन 1950 में ध्रुपद तथा ख्याल गायन शैली के मशहूर गायक फैयाज खां का निधन हो गया।
हिन्दुस्तान 06
प्रयागराज • गुरुवार • 05 नवंबर 2020

दिव्यांगों में बढ़ी शिक्षा जागरूकता

प्रयागराज | निज संवाददाता

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय एवं रिहैबिलिटेशन सोसाइटी ऑफ विजुअली इंपेयर्ड के संयुक्त तत्वाधान में बुधवार को 'समावेशी शिक्षा, मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020' विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार हुआ।

मुख्य अतिथि राष्ट्रीय पुनर्वास परिषद नई दिल्ली के पूर्व चेयरमैन डॉ. कमलेश कुमार पांडेय ने कहा कि सभी राज्यों में एक मुक्त विश्वविद्यालय का होना अत्यंत आवश्यक है। आज दिव्यांगों में जागरूकता बढ़ी है। अध्यक्षता कर रहे कुलपति प्रो. केएन सिंह ने कहा कि समाज में जब कोई विद्यालय नहीं था तो व्यक्ति के गुणों की पूजा होती थी। वेबिनार में कार्यक्रम निदेशक प्रोफेसर पीके पांडेय, डॉ. राकेश जैन, डॉ. नीता मिश्रा, परविंद्र कुमार वर्मा, राजमणि पाल, नागेश कुमार पांडेय आदि ने विचार व्यक्त किए।

दैनिक कर्मठ
राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित
प्रयागराज, गुरुवार , 05 नवम्बर 2020 विक्रम संवत 2076 प्रातः संस्करण ईमेल -dainikkarmath@gmail.com पृष्ठ : 08

दिव्यांगता समाज पर भार नहीं-प्रोफेसर सिंह

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित

प्रयागराज।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं रिहैबिलिटेशन सोसाइटी ऑफ विजुअली इंपेयर्ड के संयुक्त तत्वाधान में बुधवार को ₹समावेशी शिक्षा, मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020₹ विषय पर एक राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया।

वेबीनार के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता राष्ट्रीय पुनर्वास परिषद, नई दिल्ली के पूर्व चेयरमैन डॉ कमलेश कुमार पांडे ने कहा कि सभी राज्यों में एक मुक्त विश्वविद्यालय का होना अत्यंत आवश्यक है। आज दिव्यांगों में जागरूकता बढ़ी है। विज्ञान ने इतनी तरक्की कर ली है कि आज समाज में कोई भी दिव्यांग नहीं है। यदि कोई दिव्यांग है तो संपूर्ण समाज दिव्यांग है, क्योंकि साइंस तथा टेक्नोलॉजी ने वह संपूर्ण सुविधाएं उपलब्ध करा दी हैं जिससे कि दिव्यांग व्यक्ति सामान्य व्यक्तियों की तरह अपनी जीविका का निर्माण कर सकता है। उन्होंने कहा कि मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा नई शिक्षा नीति में एक अहम भूमिका निभा सकती हैं साइन लैंग्वेज और ब्रेल के विस्तार की बातें नई शिक्षा नीति में की गई है जिसमें सामान्य व्यक्ति भी इस शिक्षा को समझें और उसी के अनुरूप दिव्यांगों को शिक्षा प्रदान करें। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय दिव्यांग जनों के शिक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है तथा दिव्यांगता के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है।आज समाज में दिव्यांगों के लिए समावेशी शिक्षा की बात हो रही है, जबकि हमारे देश में समावेशी शिक्षा पूर्व से ही चली आ रही है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि समाज में जब कोई विद्यालय नहीं था तो व्यक्ति के गुणों की पूजा होती थी। अतीत में हमारे समाज में अनेक साहित्यकार, कवि, सन्यासियों ने जन्म लिया, जिनकी शारीरिक अक्षमता को दरकिनार करके समाज ने उनकी क्षमता को स्वीकारा जो सभी के लिए प्रेरणा स्रोत का काम करता है। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि दिव्यांगता समाज पर भार नहीं है। यह जो भूले बिसरे पिछड़े हैं उनके भी कुछ सपने हैं। उनके सपनों को पूरा करने के लिए समाज के सभी वर्गों को संवेदनशील होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि हमें अपनी मेधा को पुनर्जीवन देना है। सूरदास, अष्टावक्र, इत्यादि विद्वानों का आविर्भाव इसी धरा पर हुआ। हमें नई पीढ़ी को इनके बारे में बताना चाहिए, जो दिव्यांग होते हुए अपनी प्रतिभा का लोहा समाज में मनवाएं और समाज में उनकी क्षमता का सम्मान किया गया।

वेबीनार में कार्यक्रम निदेशक प्रोफेसर पी के पांडे, डॉ राकेश जैन, डॉ नीता मिश्रा, श्री परविंद्र कुमार वर्मा, श्री राजमणि पाल तथा श्री नागेश कुमार पांडेय आदि ने विचार व्यक्त किए ।

News Letter

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10,1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University , Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

10 नवम्बर, 2020

*विश्वविद्यालय में आए हुए दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के माननीय कुलपति प्रोफेसर राजेश सिंह जी का स्वागत एवं **सर्वसमावेशी संस्कृतिक कुंभ** की पुस्तक भेंट कर उनका सम्मान करते हुए विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफ़ेसर कामेश्वर नाथ सिंह जी*

हिन्दी दैनिक
इलाहाबाद एक्सप्रेस
वर्ष : 11 अंक : 230, प्रयागराज, शुक्रवार 20 नवम्बर 2020, पृष्ठ 8, मूल्य 1 रुपया
सच का आधार ...

विद्वत गोष्ठी में राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर हुआ मंथन

नई शिक्षा नीति में भारतीय संस्कृति की विविधता का समावेश : प्रो कामेश्वर

प्रयागराज। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भारतीय संस्कृति की विविधता का उचित समावेश किया गया है। जिसमें 12 वर्ष की स्कूली शिक्षा प्रणाली के स्थान पर 5,3,3,4 फार्मूला लागू किया जाएगा। शुरुआती तीन वर्ष प्री प्राइमरी एजुकेशन के होंगे, जिसमें आंगनवाड़ी शामिल होंगे।

यह बातें मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने गुरूवार को सिविल लाइंस स्थित ज्वाला देवी इण्टर कालेज में राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर मंथन हेतु आयोजित विद्वत गोष्ठी में कही। उन्होंने कहा कि इस प्रकार पहले 5 वर्ष में 3 वर्ष की प्री प्राइमरी शिक्षा तथा पहली व दूसरी क्लास को शामिल किया गया है। उसके बाद तीसरी चौथी और पांचवी क्लास को प्राथमिक शिक्षा में शामिल करते हुए मातृभाषा पर जोर दिया गया है। कक्षा 6 से 8 तक के 3 वर्षों में मैथ साइंस पर बल देते हुए व्यवसायिक शिक्षा का आरंभ किया जाएगा। स्कूली शिक्षा के अंतिम 4 वर्ष अर्थात 9वीं 10वीं 11वीं तथा 12वीं कक्षाओं के विद्यार्थियों के लिए वैकल्पिक विषय का चुनाव करने की छूट दी गई है। 12वीं तक मैथ साइंस की

अनिवार्यता को लागू किया जाएगा। तीन से 6 वर्ष की आयु वाले बच्चों के लिए अर्ली चाइल्डहुड केयर एंड एजुकेशन का प्रावधान किया गया है। विशिष्ट अतिथि काशी प्रान्त के प्रदेश निरीक्षक रामजी सिंह ने कहा कि नई शिक्षा नीति को कैबिनेट द्वारा मंजूरी मिली। यह स्वतंत्र भारत की तीसरी शिक्षा नीति है। इससे पहले 1968 तथा 1986 में शिक्षा नीतियां लागू की गई थी। उन्होंने इस नवीन शिक्षा नीति को ऐतिहासिक फैसला बताया, साथ ही कहा कि नई शिक्षा नीति द्वारा शिक्षा के सभी स्तरों तथा गतिविधियों से सम्बंधित प्रावधान किए गए हैं। इस शिक्षा नीति का मुख्य उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण तथा सार्वभौमिक शिक्षा के साथ ही व्यवसायिक शिक्षा पर भी बल दिया गया है। विद्यालय के प्रधानाचार्य युगल किशोर मिश्र ने अतिथियों का परिचय कराते हुए उनका सम्मान किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे ईसीसी के सेवानिवृत्त प्रोफेसर डॉ. अंजनी कुमार सिंह ने कहा कि इस शिक्षा नीति के अनुसार रिपोर्ट कार्ड में विद्यार्थी के स्किल्स अन्य गतिविधियों में उसकी भूमिका अर्थात 360 डिग्री समग्रता रिपोर्ट कार्ड बनेगा, जिसमें अध्यापकों के साथ-साथ छात्र की फ्रेंड्स सर्कल का भी मूल्यांकन निहित होगा। इविवि के शारीरिक विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. अर्चना चहल ने कहा कि स्कूली शिक्षा में एक और अहम बदलाव के रूप में 'मातृभाषा' को शामिल किया गया है, जिस पर खासा विवाद हो रहा है। नई शिक्षा नीति के अनुसार अब बच्चे पहली से पांचवी तक की शिक्षा या सम्भवतः आठवीं तक की शिक्षा अपनी मातृभाषा के माध्यम में ही ग्रहण करेंगे। शिक्षा मंत्रालय का कहना है कि बच्चा अपनी भाषा में चीजों को बेहतर ढंग से समझता है, इसलिए शुरूआती शिक्षा मातृभाषा माध्यम में ही होना चाहिए। कार्यक्रम के संयोजक वरिष्ठ अचार्य तेज प्रताप सिंह एवं संचालन आचार्य सन्तोष पाण्डेय ने किया। विद्यालय के वरिष्ठ आचार्य पवन दीक्षित ने आये विद्वतजनों का आभार व्यक्त किया।

सहजसत्ता

विद्वत गोष्ठी में राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर हुआ मंथन

नई शिक्षा नीति में भारतीय संस्कृति की विविधता का समावेशः प्रो कामेश्वर

प्रयागराज। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भारतीय संस्कृति की विविधता का उचित समावेश किया गया है। जिसमें 12 वर्ष की स्कूली शिक्षा प्रणाली के स्थान पर 5,3,3,.4 फार्मूला लागू किया जाएगा। शुरुआती तीन वर्ष प्री प्राइमरी एजुकेशन के होंगे, जिसमें आंगनवाड़ी शामिल होंगे।

यह बातें मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने गुरूवार को सिविल लाइंस स्थित ज्वाला देवी इण्टर कालेज में राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर मंथन हेतु आयोजित विद्वत गोष्ठी में कही। उन्होंने कहा कि इस प्रकार पहले 5 वर्ष में 3 वर्ष की प्री प्राइमरी शिक्षा तथा पहली व दूसरी क्लास को शामिल किया गया है। उसके बाद तीसरी चौथी और पांचवी क्लास को प्राथमिक शिक्षा में शामिल करते हुए मातृभाषा पर जोर दिया गया है। कक्षा 6 से 8 तक के 3 वर्षों में मैथ साइंस पर बल देते हुए व्यवसायिक शिक्षा का आरंभ किया जाएगा। स्कूली शिक्षा के अंतिम 4 वर्ष अर्थात 9वीं 10वीं 11वीं तथा 12वीं कक्षाओं के विद्यार्थियों के लिए वैकल्पिक विषय का चुनाव करने की छूट दी गई है। 12वीं तक मैथ साइंस की अनिवार्यता को लागू किया जाएगा। तीन से 6 वर्ष की आयु वाले बच्चों के लिए अर्ली चाइल्डहुड केयर एंड एजुकेशन का प्रावधान किया गया है।

विशिष्ट अतिथि काशी प्रान्त के प्रदेश निरीक्षक रामजी सिंह ने कहा कि नई शिक्षा नीति को कैबिनेट द्वारा मंजूरी मिली। यह स्वतंत्र भारत की तीसरी शिक्षा नीति है। इससे पहले 1968 तथा 1986 में शिक्षा नीतियां लागू की गई थी। उन्होंने इस नवीन शिक्षा नीति को ऐतिहासिक फैसला बताया, साथ ही कहा कि नई शिक्षा नीति द्वारा शिक्षा के सभी स्तरों तथा गतिविधियों से सम्बंधित प्रावधान किए गए हैं। इस शिक्षा नीति का मुख्य उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण तथा सार्वभौमिक शिक्षा के साथ ही व्यवसायिक शिक्षा पर भी बल दिया गया है। विद्यालय के प्रधानाचार्य युगल किशोर मिश्र ने अतिथियों का परिचय कराते हुए उनका सम्मान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे ईसीसी के सेवानिवृत्त प्रोफेसर डॉ. अंजनी कुमार सिंह ने कहा कि इस शिक्षा नीति के अनुसार रिपोर्ट कार्ड में विद्यार्थी के स्किल्स अन्य गतिविधियों में उसकी भूमिका अर्थात 360 डिग्री समग्रता रिपोर्ट कार्ड बनेगा, जिसमें अध्यापकों के साथ-साथ छात्र की फ्रेंड्स सर्कल का भी मूल्यांकन निहित होगा। इविवि के शारीरिक विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. अर्चना चहल ने कहा कि स्कूली शिक्षा में एक और अहम बदलाव के रूप में 'मातृभाषा' को शामिल किया गया है, जिस पर खासा विवाद हो रहा है। नई शिक्षा नीति के अनुसार अब बच्चे पहली से पांचवी तक की शिक्षा या सम्भवतः आठवीं तक की शिक्षा अपनी मातृभाषा के माध्यम में ही ग्रहण करेंगे। शिक्षा मंत्रालय का कहना है कि बच्चा अपनी भाषा में चीजों को बेहतर ढंग से समझता है, इसलिए शुरूआती शिक्षा मातृभाषा माध्यम में ही होना चाहिए। कार्यक्रम के संयोजक वरिष्ठ अचार्य तेज प्रताप सिंह एवं संचालन आचार्य सन्तोष पाण्डेय ने किया। विद्यालय के वरिष्ठ आचार्य पवन दीक्षित ने आये विद्वतजनों का आभार व्यक्त किया।

प्रयागराज, शुक्रवार, 20 नवम्बर, 2020
जनसंदेश टाइम्स
परख सच की

राजर्षि टंडन मुक्त विवि ने 30 नवम्बर तक बढ़ाई प्रवेश तिथि

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के एमबीए और एमसीए में प्रवेश तिथि 30 नवंबर 2020 तक बढ़ा दी गई है। एमबीए, एमसीए प्रवेश परीक्षा फॉर्म भरने वाले छात्रों को प्रवेश परीक्षा नहीं देनी पड़ेगी। विश्वविद्यालय ने पंजीकरण कराने वाले अभ्यर्थियों को सीधे प्रवेश देने का निर्णय ले लिया है। प्रवेश परीक्षा न होने से प्रवेश लेने वाले छात्रों की मांग पर विश्वविद्यालय में प्रवेश की अंतिम तिथि 30 नवंबर तक बढ़ा दी है। प्रवेश प्रभारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने बताया अब विश्वविद्यालय द्वारा प्रवेश परीक्षा का आयोजन न कर निर्धारित शैक्षिक योग्यता के आधार पर प्रवेश दिया जाएगा। मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि इच्छुक शिक्षार्थी पूर्व की भांति विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जाकर पंजीकरण कराते हुए प्रवेश हेतु आवेदन करें।

सहजसत्ता

मुक्त विवि में एमबीए, एमसीए में प्रवेश तीस तक

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के एमबीए और एमसीए में प्रवेश तिथि 30 नवम्बर तक बढ़ा दी गई है। एमबीए एमसीए प्रवेश परीक्षा फॉर्म भरने वाले छात्रों को प्रवेश परीक्षा नहीं देनी पड़ेगी। विश्वविद्यालय ने पंजीकरण कराने वाले अभ्यर्थियों को सीधे प्रवेश देने का निणर्य लिया है। प्रवेश प्रभारी डॉ. ज्ञान प्रकाश यादव ने बताया विश्वविद्यालय द्वारा प्रवेश परीक्षा का आयोजन न कर निर्धारित शैक्षिक योग्यता के आधार पर प्रवेश दिया जाएगा। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद एआईसीटीई के 19 अगस्त 2020 के सर्कुलर तथा विश्वविद्यालय के प्रबंधन अध्ययन विद्या शाखा एवं विज्ञान विद्या शाखा के संयुक्त स्कूल बोर्ड के प्रस्ताव के दृष्टिगत कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने सत्र 2020-21 की एमबीए तथा एमसीए प्रवेश परीक्षा को न कराए जाने पर सहमति व्यक्त की थी। मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि इच्छुक शिक्षार्थी पूर्व की भांति विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जाकर पंजीकरण कराते हुए प्रवेश हेतु आवेदन करें।

R.N.I. UPHIN/2012/52437
संस्करण : प्रयागराज
वर्ष : 07
अंक : 40
पृष्ठ : 8
मूल्य : 1.00
शुक्रवार, 20 नवम्बर, 2020
जुनून है सच दिखाने का
मंत्र भारत
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज, लखनऊ एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं कौशाम्बी, भदोही, मिर्जापुर व वाराणसी से प्रसारित

मुक्त विश्वविद्यालय में एमबीए एमसीए में प्रवेश अब 30 तक

संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के एमबीए और एमसीए में प्रवेश तिथि 30 नवंबर 2020 तक बढ़ा दी गई है। एमबीए एमसीए प्रवेश परीक्षा फॉर्म भरने वाले छात्रों को प्रवेश परीक्षा नहीं देनी पड़ेगी। विश्वविद्यालय ने पंजीकरण कराने वाले अभ्यथिर्यों को सीधे प्रवेश देने का निणर्य ले लिया है। प्रवेश परीक्षा न होने से प्रवेश लेने वाले छात्रों की मांग पर विश्वविद्यालय में प्रवेश की अंतिम तिथि को 30 नवंबर तक विस्तारित कर दिया है।

अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद एआईसीटीई के 19 अगस्त 2020 के सर्कुलर तथा विश्वविद्यालय के प्रबंधन अध्ययन विद्या शाखा एवं विज्ञान विद्या शाखा के संयुक्त स्कूल बोर्ड के प्रस्ताव के दृष्टिगत कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने सत्र 2020-21 की एमबीए तथा एमसीए प्रवेश परीक्षा को न कराए जाने पर सहमति व्यक्त की थी। प्रवेश प्रभारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने बताया अब विश्वविद्यालय द्वारा प्रवेश परीक्षा का आयोजन न कर निर्धारित शैक्षिक योग्यता के आधार पर प्रवेश दिया जाएगा। मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि इच्छुक शिक्षार्थी पूर्व की भांति विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जाकर पंजीकरण कराते हुए प्रवेश हेतु आवेदन करें।

दैनिक कर्मठ
राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित
प्रयागराज, शुक्रवार , 20 नवम्बर 2020 विक्रम संवत 2076 प्रातः संस्करण ईमेल -dainikkarmath@gmail.com पृष्ठ : 08

मुक्त विश्वविद्यालय में एमबीए एमसीए में प्रवेश अब 30 नवंबर तक

प्रयागराज।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के एमबीए और एमसीए में प्रवेश तिथि 30 नवंबर 2020 तक बढ़ा दी गई है। एमबीए एमसीए प्रवेश परीक्षा फॉर्म भरने वाले छात्रों को प्रवेश परीक्षा नहीं देनी पड़ेगी। विश्वविद्यालय ने पंजीकरण कराने वाले अभ्यर्थियों को सीधे प्रवेश देने का निर्णय ले लिया है।

प्रवेश परीक्षा न होने से प्रवेश लेने वाले छात्रों की मांग पर विश्वविद्यालय में प्रवेश की अंतिम तिथि को 30 नवंबर तक विस्तारित कर दिया है।

अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद एआईसीटीई के 19 अगस्त 2020 के सर्कुलर तथा विश्वविद्यालय के प्रबंधन अध्ययन विद्या शाखा एवं विज्ञान विद्या शाखा के संयुक्त स्कूल बोर्ड के प्रस्ताव के दृष्टिगत कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने सत्र 2020–21 की एमबीए तथा एमसीए प्रवेश परीक्षा को न कराए जाने पर सहमति व्यक्त की थी।

प्रवेश प्रभारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने बताया अब विश्वविद्यालय द्वारा प्रवेश परीक्षा का आयोजन न कर निर्धारित शैक्षिक योग्यता के आधार पर प्रवेश दिया जाएगा। मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि इच्छुक शिक्षार्थी पूर्व की भांति विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जाकर पंजीकरण कराते हुए प्रवेश हेतु आवेदन करें।

स्वतंत्र चेतना
www.swatantrachetnanews.com
प्रयागराज, शुक्रवार 20 नवम्बर 2020

मुक्त विश्वविद्यालय में एमबीए व एमसीए में प्रवेश अब 30 नवंबर तक

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के एमबीए और एमसीए में प्रवेश तिथि 30 नवंबर तक बढ़ा दी गई है। एमबीए एमसीए प्रवेश परीक्षा फॉर्म भरने वाले छात्रों को प्रवेश परीक्षा नहीं देनी पड़ेगी। विश्वविद्यालय ने पंजीकरण कराने वाले अभ्यर्थियों को सीधे प्रवेश देने का निर्णय ले लिया है। प्रवेश परीक्षा न होने से प्रवेश लेने वाले छात्रों की मांग पर विश्वविद्यालय में प्रवेश की अंतिम तिथि को 30 नवंबर तक विस्तारित कर दिया है।

अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद एआईसीटीई के 19 अगस्त 2020 के सर्कुलर तथा विश्वविद्यालय के प्रबंधन अध्ययन विद्या शाखा एवं विज्ञान विद्या शाखा के संयुक्त स्कूल बोर्ड के प्रस्ताव के दृष्टिगत कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने सत्र 2020–21 की एमबीए तथा एमसीए प्रवेश परीक्षा को न कराए जाने पर सहमति व्यक्त की थी। प्रवेश प्रभारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने बताया अब विश्वविद्यालय द्वारा प्रवेश परीक्षा का आयोजन न कर निर्धारित शैक्षिक योग्यता के आधार पर प्रवेश दिया जाएगा। मीडिया प्रभारी डॉ० प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि इच्छुक शिक्षार्थी पूर्व की भांति विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जाकर पंजीकरण कराते हुए प्रवेश हेतु आवेदन करें।

हिन्दी दैनिक
इलाहाबाद एक्सप्रेस

मुक्त विवि में एमबीए, एमसीए में प्रवेश तीस नवम्बर तक

पंजीकरण कराने वाले अभ्यर्थियों का सीधे होगा प्रवेश

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के एमबीए और एमसीए में प्रवेश तिथि 30 नवम्बर तक बढ़ा दी गई है। एमबीए एमसीए प्रवेश परीक्षा फॉर्म भरने वाले छात्रों को प्रवेश परीक्षा नहीं देनी पड़ेगी। विश्वविद्यालय ने पंजीकरण कराने वाले अभ्यर्थियों को सीधे प्रवेश देने का निर्णय लिया है।

प्रवेश प्रभारी डॉ. ज्ञान प्रकाश यादव ने बताया विश्वविद्यालय द्वारा प्रवेश परीक्षा का आयोजन न कर निर्धारित शैक्षिक योग्यता के आधार पर प्रवेश दिया जाएगा। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद एआईसीटीई के 19 अगस्त 2020 के सर्कुलर तथा विश्वविद्यालय के प्रबंधन अध्ययन विद्या शाखा एवं विज्ञान विद्या शाखा के संयुक्त स्कूल बोर्ड के प्रस्ताव के दृष्टिगत कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने सत्र 2020-21 की एमबीए तथा एमसीए प्रवेश परीक्षा को न कराए जाने पर सहमति व्यक्त की थी। मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि इच्छुक शिक्षार्थी पूर्व की भांति विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जाकर पंजीकरण कराते हुए प्रवेश हेतु आवेदन करें।

अमृत प्रभात
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
सूर्योदय : 06:19 बजे
सूर्यास्त : 05:20 बजे
वर्ष : 42 | अंक : 335 | प्रयागराज, शुक्रवार 20 नवम्बर, 2020 | पृष्ठ : 12 | मूल्य : 3 रुपए

मुक्त विश्वविद्यालय में एमबीए एमसीए में प्रवेश अब 30 नवंबर तक

वरिष्ठ संवाददाता प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के एमबीए और एमसीए में प्रवेश तिथि 30 नवंबर तक बढ़ा दी गई है। एमबीए एमसीए प्रवेश परीक्षा फॉर्म भरने वाले छात्रों को प्रवेश परीक्षा नहीं देनी पड़ेगी। विश्वविद्यालय ने पंजीकरण कराने वाले अभ्यर्थियों को सीधे प्रवेश देने का निर्णय ले लिया है। प्रवेश परीक्षा न होने से प्रवेश लेने वाले छात्रों की मांग पर विश्वविद्यालय में प्रवेश की अंतिम तिथि को 30 नवंबर तक विस्तारित कर दिया है। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद एआईसीटीई के 19 अगस्त 2020 के सर्कुलर तथा विश्वविद्यालय के प्रबंधन अध्ययन विद्या शाखा एवं विज्ञान विद्या शाखा के संयुक्त स्कूल बोर्ड के प्रस्ताव के दृष्टिगत कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने सत्र 2020-21 की एमबीए तथा एमसीए प्रवेश परीक्षा को न कराए जाने पर सहमति व्यक्त की थी। प्रवेश प्रभारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने बताया अब विश्वविद्यालय द्वारा प्रवेश परीक्षा का आयोजन न कर निर्धारित शैक्षिक योग्यता के आधार पर प्रवेश दिया जाएगा।

News Letter

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10,1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University , Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

21 नवम्बर, 2020

माननीय कुलपति जी ने किया विश्वविद्यालय के परिसरो एवं नवनिर्मित आडिटोरियम का निरीक्षण

नवनिर्मित आडिटोरियम का निरीक्षण करते हुए मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

जनवरी 2021 में होने वाले विश्वविद्यालय के 15वें दीक्षान्त समारोह को शीर्ष प्राथमिकता देते हुये कैम्पस को सुसज्जित करने, निर्माण कार्य पूर्ण कराने के साथ–साथ कार्यालयों को चुस्त–दुरूस्त रखने के लिए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी ने दिनांक 20 नवम्बर, 2020 को अपराह्न 1:30 बजे विश्वविद्यालय के तीनो परिसरों एवं सरस्वती परिसर स्थित नवनिर्मित आडिटोरियम का निरीक्षण किये। माननीय कुलपति जी ने परिसरों को सुसज्जित करने, निर्माण कार्य पूर्ण कराने के साथ–साथ कार्यालयों को चुस्त–दुरूस्त रखने हेतु सम्बन्धि अधिकारियों/प्रभारियों को निर्देशित किया। निरीक्षण के दौरान निदेशक प्रो0 ओमजी गुप्ता, प्रो0 आशुतोष गुप्ता, सी.एन.डी.एस. के पी.एम., तथा इंजिनियर, विद्युत परामर्शदाता श्री उमेश पाण्डेय, मोहितोष कुमार, राजेन्द्र कुमार आदि उपस्थित रहे।

निरीक्षण

नवनिर्मित आडिटोरियम का निरीक्षण करते हुए मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

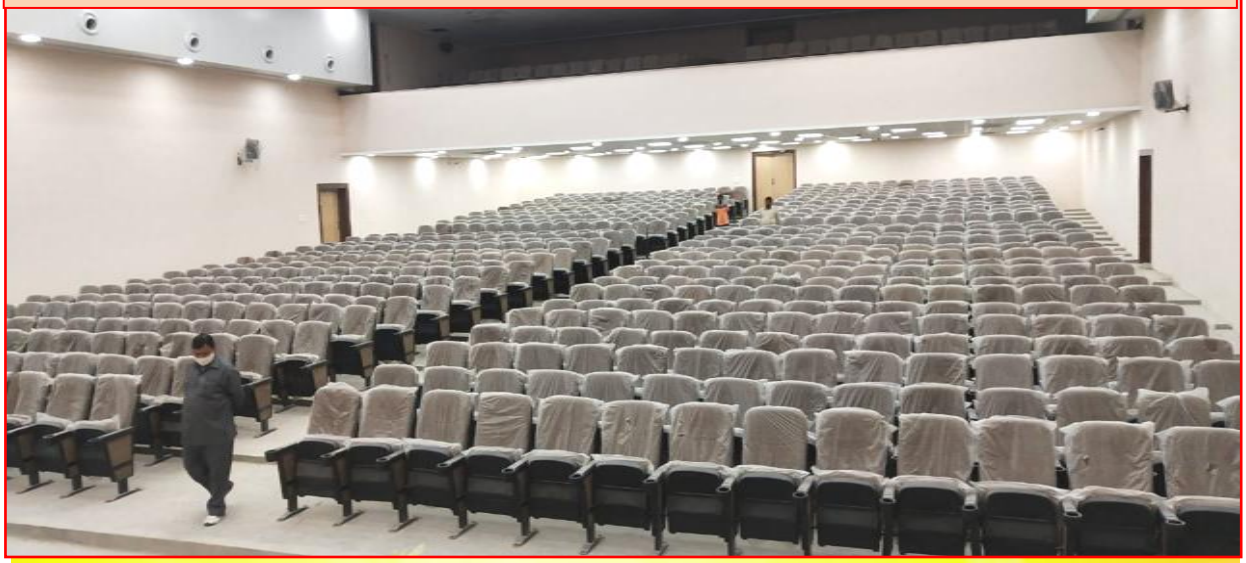

News Letter

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10,1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University , Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

21 नवम्बर, 2020

कार्य परिषद् की 115वीं (आकस्मिक) बैठक आयोजित

moizo jktf"kZ V.Mu eqDr fo'ofo|ky;] iz;kxjkt ds dk;Z ifj"kn~~ dh 115oha (आकस्मिक) cSBd fnukad 21 uoEcj] 2020 dks vijkg~~u% 12%30 cts ऑनलाइन वीडियों कान्फ्रेन्सिंग (ZOOM APP) के माध्यम से desVh d{k esa vkgwr dh xbZA cSBd dh v~;{krk izkso dkes'oj ukFk flag] dqyifr] moizo jktf"kZ V.Mu eqDr fo'ofo|ky;] iz;kxjkt us dhA cSBd esa dbZ

izkso dkes'oj ukFk flag

कार्य परिषद की बैठक की अध्यक्षता करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी एवं बैठक में उपस्थित सदस्यगण।

कार्य परिषद् की 115वीं बैठक

कार्य परिषद की बैठक की अध्यक्षता करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी एवं बैठक में उपस्थित सदस्यगण।

cSBd esa डॉ0 xksfoUn 'ks[kj] vodk'k izkIr izkpk;Z] cgjkbp] MkWo ,l-,u-ih- xqIrk] vodk'k izkIr foHkkxk&{k] dkelZ] Mh-,-oh- dkyst] dkuiqj] Jh lq'khy xqIrk] jk;cjsyh] izkso vkseth xqIrk] funs'kd izcU/u v&;u fo|k'kk[kk] moizo jktf"kZ V.Mu eqDr fo'ofo|ky;] iz;kxjkt] izkso (डॉ0) th-,l- 'kqDy] dqylfpo ,oa funs'kd] LokLF; foKku fo|k'kk[kk] moizo jktf"kZ V.Mu eqDr fo'ofo|ky;] iz;kxjkt] izkso पी.के. पाण्डेय] vkpk;Z] f'k{kk fo|k'kk[kk] moizo jktf"kZ V.Mu eqDr fo'ofo|ky;] iz;kxjkt] MkWo :fp cktisbZ] ,lksfl,V प्रोफेसj] ekufodh fo|k'kk[kk] moizo jktf"kZ V.Mu eqDr

fo'ofo|ky;] iz;kxjkt] MkWo fnus'k flag lgk;d funs'kd@vflLVs.V izksफslj] f'k{kk fo|k'kk[kk] moizo jktf"kZ V.Mu eqDr fo'ofo|ky;] iz;kxjkt ,oa Jh ,-ds- flag] foRr vf/dkjh] moizo jktf"kZ V.Mu eqDr fo'ofo|ky;] iz;kxjkt mifLFkr jgsA

दैनिक जागरण

बस्ती जागरण

कैदियों को शिक्षा दिलाएगा राजर्षि विवि : कुलपति

जागरण संवाददाता, बस्ती: उप राजर्षि टंडन मुक्त विश्व विद्यालय के कुलपति प्रो. केएन सिंह ने कहा है कि इस वर्ष से सभी विश्व विद्यालय के 12 क्षेत्रीय केंद्रों के जरिए सजायाफ्ता कैदियों को निशुल्क उच्च शिक्षा दिलाई जाएगी। गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़, प्रयागराज, लखनऊ, कानपुर, झांसी, आगरा, बरेली एवं गाजियाबाद में विश्व विद्यालय की ओर से यह पहल शुरू की गई है।

कुलपति प्रो.सिंह रविवार को बस्ती दौरे पर आए थे। पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि प्रयागराज के सेंट्रल जेल नैनी में आजीवन कारावास कैदियों को निशुल्क उच्च शिक्षा दी जानी शुरू कर दी गई है। 123 कैदी शिक्षा प्राप्त भी कर रहे है। प्रवेश प्रक्रिया जारी है। 21वीं सदी की आवश्यकताओं के मद्देनजर बनाई गई नई शिक्षा नीति में कौशल विकास की महत्ता को देखते हुए विश्व विद्यालय अपने पाठ्यक्रम में परिवर्तन कर रहा है। कहा कि कोविड-19 से बचाव के

निशुल्क उच्च शिक्षा

- सेंट्रल जेल नैनी में 123 कैदी प्राप्त कर रहे उच्च शिक्षा
- समाज के हर वर्ग को उच्च शिक्षा देना विश्वविद्यालय की प्राथमिकता

प्रति भी कार्यक्रम संचालित किए जा रहे है। उन्होंने कहा कि जनसामान्य को चुनौतियों से अवगत कराने के लिए नये पाठ्यक्रमों की रचना के प्रति विश्व विद्यालय शुरु से सचेत रहा है। नई शिक्षा नीति में समावेशी शिक्षा पर विशेष जोर दिया जा रहा है। समाज के हर वर्ग को उच्च शिक्षा दिया जाना विश्व विद्यालय की प्राथमिकता है। मंत्रालय ने उच्च शिक्षा में नामांकन अनुपात पचास फीसद का लक्ष्य दिया है। इसकी उपयोगिता मुक्त विश्व विद्यालय पर आधारित है। जहां न क्लास की अनिवार्यता है न नियमित उपस्थित होने की। कोई भी तबका घर से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त कर सकता है।

Janta Union Epaper

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में पीएचडी में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ

झाँसी जयूसं। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में एक बार फिर से शोध में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। 2010 से बंद पड़ी पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया शुरू होने से नए छात्रों को अवसर मिलेगा। यूजीसी, राज्यपाल, और विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद की मंजूरी मिलने के बाद माननीय कुलपति कामेश्वर नाथ सिंह ने 26 नवंबर 2020 से शोध प्रवेश प्रक्रिया आरंभ कर दी है। क्षेत्रीय समन्वयक डॉ. रेखा त्रिपाठी ने बताया कि शोध में प्रवेश के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.uprtou.ac.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं आवेदन के लिए अंतिम तिथि 31 दिसंबर 2020 निर्धारित की गई है। डॉक्टर त्रिपाठी ने बताया कि संस्कृत, हिंदी ,शिक्षा शास्त्र, पत्रकारिता ,प्रबंधन ,वाणिज्य, हेल्थ साइंस ,एग्रीकल्चर ,इतिहास, कंप्यूटर साइंस और राजनीति विज्ञान विषय में शोध किए जा सकेंगे ।यूजीसी एवं भारत सरकार की ओर से अनुमति नहीं होने के कारण उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में पीएचडी में प्रवेश 2010 से बंद था। कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह के अथक प्रयास के कारण एक बार फिर पीएचडी कोर्स शुरू हो गया है।

झांसी | शनिवार, 28 नवंबर 2020 8

पीएचडी के लिए 31 दिसंबर तक करें आवेदन

झांसी। उत्तर प्रदेश राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। इससे 2010 से बंद पड़ी पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया शुरू होने से नए छात्रों को अवसर प्राप्त होगा। क्षेत्रीय समन्वयक डॉ. रेखा त्रिपाठी ने बताया कि शोध में प्रवेश के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जाकर आवेदन कर सकते है। आवेदन की अंतिम तिथि 31 दिसंबर है। उन्होंने बताया कि संस्कृत, हिंदी, शिक्षा शास्त्र, पत्रकारिता, प्रबंधन, वाणिज्य, हेल्थ साइंस, एग्रीकल्चर, इतिहास, कंप्यूटर साइंस और राजनीति विज्ञान विषय में शोध किये जा सकेंगे। संवाद

पीएचडी में दाखिले को ऑनलाइन प्रक्रिया शुरू

नोएडा | संवाददाता

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज में वर्ष 2010 से बंद पड़ी पीएचडी (शोध) में प्रवेश प्रक्रिया एक बार फिर शुरू हो गई है । यूजीसी, राज्यपाल और विश्वविद्यालय कार्यपरिषद की मंजूरी के बाद कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने पीएचडी की प्रवेश प्रक्रिया को हरी झंडी दे दी है।

विश्वविद्यालय द्वारा पीएचडी कार्यक्रम 2021 में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन पत्र आमंत्रित किये गये हैं । विश्वविद्यालय में उपलब्ध कंप्यूटर साइंस, एग्रीबिजनेस मैनेजमेंट, न्यूट्रिशन फूड एंड डाइटेटिक्स, जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन, मीडिएवल एंड मॉडर्न हिस्ट्री, पॉलिटिकल साइंस, कॉमर्स, बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन एंड बिजनेस मैनेजमेंट, एजुकेशन , संस्कृत और प्रकृत भाषा , स्टेटिसटिक्स , हेल्थ एजुकेशन , हिंदी एंड मॉडर्न इंडियन लैंग्वेज विषयों में प्रवेश परीक्षा के माध्यम से प्रवेश दिया जाएगा। 31 दिसंबर तक आवेदन पत्र सबमिट किए जा सकते हैं । पीएचडी में प्रवेश लेने वाले छात्रों को 6 महीने का प्री-पीएचडी कोर्स करना होगा ।

हिन्दुस्तान

27 नवंबर, 2020|4:02|IST

हिंदी न्यूज़ › कॅरियर › UPRTOU : उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में 10 साल बाद फिर पीएचडी शुरू, 26 दिसंबर तक करें आवेदन

UPRTOU : उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में 10 साल बाद फिर पीएचडी शुरू, 26 दिसंबर तक करें आवेदन

हिन्दुस्तान टीम,प्रयागराज | Published By: Pankaj Vijay

Last updated: Fri, 27 Nov 2020 03:54 PM

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय से 10 साल बाद फिर पीएचडी शुरू होगी। इसके लिए गुरुवार यानी 26 नवंबर को वेबसाइट पर आवेदन अपलोड कर दिया गया है। रजिस्ट्रेशन एवं आवेदन शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 26 दिसंबर तय की गई है। फार्म सबमिट करने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर है। प्रवेश परीक्षा के लिए 12 जनवरी को प्रवेश पत्र जारी होगा। 30 जनवरी को प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी। 18 फरवरी को प्रवेश परीक्षा का रिजल्ट जारी होगा।

नए शैक्षिक सत्र में शिक्षाशास्त्र, राजनीति विज्ञान, इतिहास, कंप्यूटर विज्ञान, एग्रीकल्चर, हेल्थ साइंस, कॉमर्स, मैनेजमेंट, हिंदी, संस्कृत और पत्रकारिता में पीएचडी की जा सकेगी। पूर्व में शोध निदेशक, बाहरी होते थे। अतएव शोध भी बाहर

यूपीआरटीओयू में 31 तक पीएचडी के लिए करें आवेदन

जासं, नोएडा : उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में 2010 के बाद पीएचडी के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू की गई है। 10 वर्षों से बंद शोध प्रक्रिया को एक बार फिर विश्वविद्यालय ने शुरू कर दिया है। यूजीसी, राज्यपाल और विवि की कार्यपरिषद की मंजूरी मिलने के बाद यूपीआरटीओयू के कुलपति ने पीएचडी में प्रवेश प्रक्रिया को आरंभ करने की घोषणा की है। पीएचडी कार्यक्रम 2021 में प्रवेश के लिए आनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू की गई है, इच्छुक आवेदक 31 दिसंबर तक आवेदन पत्र जमा कर सकेंगे। पीएचडी में प्रवेश लेने वाले छात्रों को छह माह का प्री-पीएचडी कोर्स करना होगा। छात्रों को अपने गाइड विश्वविद्यालय से ही चुनने होंगे, अब छात्रों को बाहर से गाइड लेने की अनुमति नहीं होगी। पीएचडी में प्रवेश लेने के इच्छुक आवेदक विवि में उपलब्ध कंप्यूटर साइंस, एग्रीबिजनेस मैनेजमेंट, न्यूट्रिशन फूड एंड डाइटेटिक्स, जर्नलिज्म और मास कम्युनिकेशन, और बिजनेस मैनेजमेंट, एजुकेशन, संस्कृत और प्रकृत भाषा, स्टेटिस्टिक्स, हेल्थ एजुकेशन, हिंदी और मॉडर्न भारतीय भाषाओं के विषयों में निर्धारित सीटों पर प्रवेश परीक्षा के माध्यम से प्रवेश दिया जाएगा।

News Letter

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10,1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University , Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

27 नवम्बर, 2020

मुक्त विश्वविद्यालय में डॉ. सुरेंद्र कुमार की पुस्तक का हुआ विमोचन

डॉ. सुरेंद्र कुमार की पुस्तक **"टीचर एजुकेशन थ्रू डिस्टेंस लर्निंग"** का विमोचन करते हुए मा0 कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह , डॉ. आनंद शंकर सिंह, प्रोफेसर ओमजी गुप्त एवं प्रोफेसर प्रदीप कुमार पाण्डेय

कोविड में डिस्टेंस एजुकेशन की उपयोगिता बढ़ी- प्रोफेसर सिंह

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में शिक्षा विद्या शाखा के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सुरेंद्र कुमार की पुस्तक **"टीचर एजुकेशन थ्रू डिस्टेंस लर्निंग"** का विमोचन दिनांक 27 नवम्बर, 2020 को कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने किया। समारोह के विशिष्ट अतिथि ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज, प्रयागराज के प्राचार्य डॉ. आनंद शंकर सिंह रहे। प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत शिक्षा विद्या शाखा के प्रभारी प्रोफेसर प्रदीप कुमार पाण्डेय ने किया। समारोह का संचालन श्री परविंद्र कुमार वर्मा एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ सुरेंद्र कुमार ने किया। इस अवसर पर प्रोफेसर ओमजी गुप्त, प्रोफेसर एस. कुमार, डॉ. संजय सिंह, डॉ. दिनेश सिंह, डॉ. अनिल सिंह

पुस्तक विमोचन कार्यक्रम

कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ0 परविंद्र कुमार वर्मा

मा0 अतिथियों का स्वागत एवं परिचय देते हुए शिक्षा विद्याशा के प्रभारी निदेशक प्रो0 पी0 के0 पाण्डेय एवं सभागार में उपस्थित विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण।

पुस्तक विमोचन कार्यक्रम

प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी
मा0 कुलपति

प्रो0 आनन्द शंकर सिंह जी
प्राचार्य

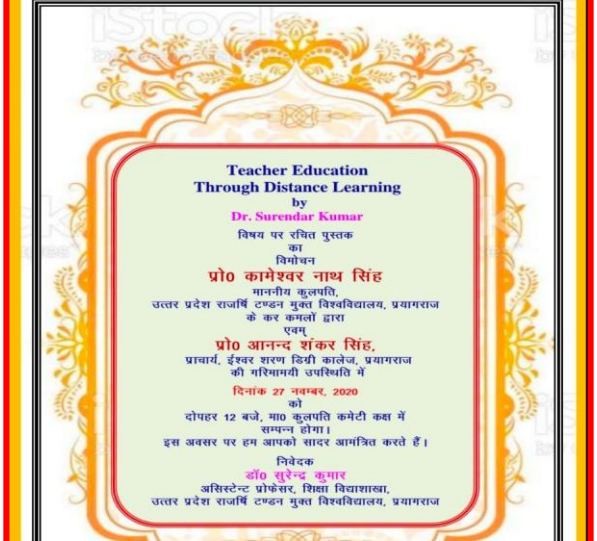

डॉ0 सुरेन्द्र कुमार

असिस्टेन्ट प्रोफेसर, शिक्षा विद्याशा के

कार्यक्रम एवं अपने पुस्तक के बारे में बताते हुए डॉ. सुरेंद्र कुमार ने कहा कि उनके शोध कार्य पर आधारित पुस्तक है। यह उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय तथा इग्नू के शिक्षक - शिक्षा प्रक्रिया पर किए गए शोध कार्य का पुस्तकाकार रूप है जो जिज्ञासुओं तथा शोधार्थियों के लिए उपयोगी है। यह पुस्तक दूरस्थ माध्यम से गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण प्रदान करके शिक्षण कौशल एवं शिक्षक दक्षता बढ़ाने में सहायक सिद्ध

पुस्तक विमोचन कार्यक्रम

डॉ. सुरेंद्र कुमार की पुस्तक **"टीचर एजुकेशन थ्रू डिस्टेंस लर्निंग"** का विमोचन करते हुए मा0 कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह , डॉ. आनंद शंकर सिंह,

सभागार में उपस्थित विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण।

पुस्तक विमोचन कार्यक्रम

विशिष्ट अतिथि का उद्‌बोधन

पूरी दुनिया में दूरस्थ शिक्षा का महत्व : डॉ. आनंद शंकर सिंह

समारोह के विशिष्ट अतिथि ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज, प्रयागराज के प्राचार्य डॉ. आनंद शंकर सिंह ने कहा कि पूरी दुनिया में दूरस्थ शिक्षा का महत्व बहुत बढ़ गया है । दूरस्थ शिक्षा आज बहुत व्यावहारिक एवं उपयोगी हो गई है । दूरस्थ शिक्षा पद्धति में काम करने की अपार संभावनाएं हैं । दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से शिक्षार्थी के द्वार तक शिक्षा प्रदान की जा सकती है। उन्होंने कहा कि डॉ. सुरेंद्र की इस पुस्तक से शिक्षा जगत को एक नयी दिशा मिलेगी। शिक्षकों को आज दुनिया भर में हो रहे बदलाव पर अपनी पैनी दृष्टि रखनी चाहिए। डॉ. सिंह ने कहा कि शिक्षा समाज के लिए है, यह केवल क्लास रूम के लिए नहीं। शिक्षक का कर्तव्य है कि वह समाज को लाभान्वित करें। समाज में सरल होकर घुल मिल जाए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों में इस तरह के अनवरत एवं सतत शोध कार्य किए जाते रहने चाहिए।

प्रो0 आनन्द शंकर सिंह

पुस्तक विमोचन कार्यक्रम

अध्यक्षीय का उद्‌बोधन

मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

कोविड में डिस्टेंस एजुकेशन की उपयोगिता बढ़ी- प्रोफेसर सिंह

इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि कोविड-19 के दौर में डिस्टेंस एजुकेशन ने अपनी उपयोगिता और प्रमाणिकता को सिद्ध कर दिया। आज ओपन लर्निंग की उपादेयता बढ़ी है। उन्होंने साधुवाद देते हुए कहा कि दूरस्थ शिक्षा के क्षेत्र में यह पुस्तक लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र साबित होगी। डॉ. सुरेंद्र की पुस्तक पीएचडी की कृति पर आधारित है। उन्होंने कहा कि जिज्ञासा का भाव जिसके अंदर होगा वही सच्चा रिसर्चर होगा। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि आज जिस तरह जनसंख्या बढ़ रही है, उसी तरह लोगों के बीच की दूरी भी बढ़ रही है लेकिन हमें परिपूर्णता के भाव से एक दूसरे से संपर्क एवं संवाद स्थापित करते रहना चाहिए, जिससे आपस की दूरी मिट सके।

पुस्तक विमोचन कार्यक्रम

धन्यवाद ज्ञापन

धन्यवाद ज्ञापित करते हुए डॉ0 सुरेन्द्र कुमार एवं सभागार में उपस्थित विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण।

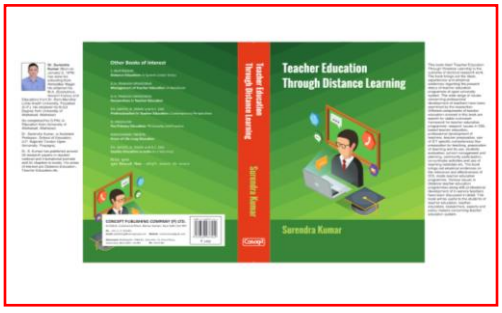

3 राजधानी
जमीन विवाद में खूनी संघर्ष

6 अभिमत
कोविड जागरूकता अभियान की जरूरत

10 स्पोर्ट्स
ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 66 रन से हराया

11 विदेश
तुर्की में भूकंप, कोई नुकसान नहीं

RNI NO. UPHIN/2010/36547
लखनऊ, शनिवार, 28 नवंबर, 2020

लखनऊ, नई दिल्ली, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

प्रियंका चोपड़ा अपनी नई फिल्म की तैयारी में व्यस्त
विविध-12

कोविड-19 में बढ़ी दूरस्थ शिक्षा की उपयोगिता: प्रो. केएन सिंह

- मुक्त विश्वविद्यालय में डॉ. सुरेंद्र कुमार की पुस्तक का हुआ विमोचन
- डॉ. सुरेंद्र कुमार की पुस्तक से शिक्षा जगत को मिलेगी एक नयी दिशा

पायनियर समाचार सेवा। प्रयागराज

फाफामऊ स्थित उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में शिक्षा विद्या शाखा के असिस्टेंट प्रोफेसर डा सुरेंद्र कुमार की पुस्तक टीचर एजुकेशन थ्रू डिस्टेंस लर्निंग का विमोचन शुक्रवार को हुआ। विमोचन कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह एवं अन्य अतिथियों ने किया। कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि कोविड 19 के दौर में दूरस्थ शिक्षा ने अपनी उपयोगिता और प्रमाणिकता को सिद्ध कर दिया। आज ओपन लर्निंग की उपादेयता बढ़ी है। दूरस्थ शिक्षा के क्षेत्र में यह पुस्तक लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र साबित होगी। डा सुरेंद्र की पुस्तक पीएचडी की कृति पर आधारित है। उन्होंने कहा कि जिज्ञासा का भाव जिसके अंदर होगा वही सच्चा शोधार्थी होगा। प्रोफेसर के एन सिंह ने कहा कि आज जिस तरह जनसंख्या बढ़ रही है। उसी तरह लोगों के बीच की दूरी भी बढ़ रही है। लेकिन हमें परिपूर्णता के भाव से एक दूसरे से संपर्क एवं संवाद स्थापित करते रहना चाहिए। जिससे आपस की दूरी मिट सके। विशिष्ट अतिथि ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज के प्राचार्य डा आनंद शंकर सिंह ने कहा कि पूरी दुनिया में दूरस्थ शिक्षा का महत्व बहुत बढ़ गया है। दूरस्थ शिक्षा आज बहुत व्यावहारिक एवं उपयोगी हो गई है। दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से शिक्षार्थी के द्वार तक शिक्षा प्रदान की जा सकती है। डा सुरेंद्र कुमार की पुस्तक से शिक्षा जगत को एक नयी दिशा मिलेगी। शिक्षकों को आज दुनिया भर में हो रहे बदलाव पर अपनी पैनी दृष्टि रखनी चाहिए। डा सिंह ने कहा

कि शिक्षा समाज के लिए है यह केवल क्लास रूम के लिए नही है। डा सुरेंद्र कुमार ने कहा कि उनके शोध कार्य पर आधारित पुस्तक है। यह पुस्तक दूरस्थ माध्यम से गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण प्रदान करके शिक्षण कौशल एवं शिक्षक दक्षता बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगी।अतिथियों का स्वागत शिक्षा विद्या शाखा के प्रभारी प्रोफेसर प्रदीप कुमार पाण्डेय ने किया। संचालन परविंद्र कुमार वर्मा एवं धन्यवाद ज्ञापन डा सुरेंद्र कुमार ने किया। इस अवसर पर प्रोफेसर ओमजी गुप्त प्रोफेसर एस कुमार डा संजय सिंह डा दिनेश सिंह डा अनिल सिंह भदौरिया डा सतीश चंद्र जैसल डा सुनील कुमार डा अविनाश पाण्डेय डा नीता मिश्रा डा अभिषेक सिंह डा मनोज कुमार एवं डा प्रभात चंद्र मिश्र आदि उपस्थित रहे।

छात्रों को सशक्त करने के लिए हो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा

प्रयागराज। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पेश कर लाखों स्कूली बच्चों को सशक्त करने के लिए कक्षा छह से बारह के छात्र के लिये बेहद असरदार इंटरैक्टिव लर्निंग की पेशकश करने के लिए वेदांतु मास्टर क्लास डीटीएच चैनल्स का प्रसारण एयरटेल डिजिटल टीवी पर चार रुपये प्रतिदिन में किया जाएगा। एयरटेल और वेदांतु ने होम टीवी स्क्रीन के जरिए किफायती मूल्य पर उपलब्ध है। लाइव ऑनलाइन लर्निंग में आगे वेदांतु ने आज एक अभिनव भागीदारी की घोषणा की है। इस साझेदारी के अंतर्गत व्यापक पहुंच का लाभ उठाते हुए भारत के छात्रों तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच मुहैया कराई जाएगी। कक्षा छह से दस और कक्षा ग्यारह से बारह के छात्रों की जरूरतों को पूरा करेंगे। गणित तथा विज्ञान को कवर करेंगे। यह शिक्षा सर्वश्रेष्ठ श्रेणी के फैकल्टी प्रदान करेंगे। डीटीएच बिजनेस के सीईओ और निदेशक सुनील तालदार ने साझेदारी पर कहा कि इसके माध्यम से उच्च गुणवत्ता की शिक्षा को बहुत किफायती बनाकर और पहुँच में लाकर लोकतांत्रिक बनाने के लिये भागीदारी कर उत्साहित हैं।

हिन्दुस्तान

तरक्की को चाहिए नया नजरिया
www.livehindustan.com

दूरस्थ शिक्षा की बढ़ी उपयोगिता : वीसी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में शिक्षा विद्या शाखा के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सुरेंद्र कुमार की पुस्तक 'टीचर एजुकेशन थ्रू डिस्टेंस लर्निंग' का विमोचन शुक्रवार को कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने किया। विशिष्ट अतिथि ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज के प्राचार्य डॉ. आनंद शंकर सिंह रहे।

कुलपति ने कहा कि कोविड-19 के दौर में दूरस्थ शिक्षा ने अपनी उपयोगिता और प्रमाणिकता को सिद्ध कर दिया। आज ओपन लर्निंग की उपादेयता बढ़ी है। डॉ. सुरेंद्र की पुस्तक पीएचडी की कृति पर आधारित है। उन्होंने कहा कि जिज्ञासा का भाव जिसके अंदर होगा वही सच्चा रिसर्चर होगा। डॉ. आनंद शंकर सिंह ने कहा कि पूरी दुनिया में दूरस्थ शिक्षा का महत्व बहुत बढ़ गया है। स्वागत शिक्षा विद्या शाखा के प्रभारी प्रो. प्रदीप कुमार पांडेय ने किया। पुस्तक के बारे में बताते हुए डॉ. सुरेंद्र कुमार ने कहा कि उनके शोध कार्य पर आधारित पुस्तक है। संचालन परविंद्र कुमार वर्मा एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ सुरेंद्र कुमार ने किया। प्रो. ओमजी गुप्त, प्रो. एस. कुमार, डॉ. संजय सिंह, डॉ. दिनेश सिंह, डॉ. अनिल सिंह भदौरिया, डॉ. सतीश चंद्र जैसल रहे।

प्रयागराज, शनिवार
28 नवंबर, 2020
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 6.00
पृष्ठ 18

दैनिक जागरण

www.jagran.com
उत्तरप्रदेश, दिल्ली, मध्यप्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और प. बंगाल से प्रकाशित

पर्यावरण के क्षेत्र में मोदी के प्रयासों को नेतन्याहू ने सराहा 16
इलेक्टोरल वोट में बाइडन के विजेता होने पर छोड़ दूंगा पद 16

महानगर
वर्ष 24 | अंक 163 | पृष्ठ : 16
मूल्य : छह रुपये
6 राज्य • 2 केंद्रशासित प्रदेश • 21 संस्करण

अमर उजाला

प्रयागराज
शनिवार, 28 नवंबर 2020

amarujala.com | पहरे में | महबूबा घर में नजरबंद, प्रशासन का इनकार...13

उत्तर प्रदेश

मुविवि में डॉ. सुरेंद्र की पुस्तक का विमोचन

प्रयागराज। मुविवि में शिक्षा विद्या शाखा के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सुरेंद्र कुमा की पुस्तक 'एजूकेशन थ्रू डिस्टेंस लर्निंग' का विमोचन शुक्रवार को कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में ईश्वर शरण पीजी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. आनंद शंकर सिंह मौजूद रहे। कुलपति ने कहा कि कोविड-19 के दौर में डिस्टेंस एजूकेशन ने अपनी उपयोगिता एवं प्रमाणिकता को सिद्ध कर दिया।

राजर्षि टंडन फिर कराएगा पीएचडी, रजिस्ट्रेशन ओपन

वर्ष 2010 के बाद पीएचडी दाखिले की प्रक्रिया पर लगी थी रोक

CONCEPT PIC

bareilly@inext.co.in

BAREILLY (28 Nov): पीएचडी में दाखिले का इंतजार करने वाले अभ्यर्थियों के लिएच्अच्छी खबर है. अब राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज फिर से पीएचडी दाखिले करेगा. वर्ष 2010 के बाद से यह प्रक्रिया रुकी थी. इसे फिर शुरू करते हुए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया चालू कर दी गई है. अभ्यर्थी 11 विषयों में विश्वविद्यालय की वेबसाइट **www.uprtou.ac.in** के माध्यम से फार्म भर सकते हैं. इसमें शैक्षिक अर्हता से लेकर पूरा विवरण अपलोड किया गया है.

10 साल बीते दिनों हुई बैठक

राजर्षि टंडन विश्वविद्यालय के बरेली कोआर्डिनेटर डॉ. आरबी सिंह ने बताया कि पहले विश्वविद्यालय लगातार पीएचडी दाखिले कराता था. लेकिन कुछ कारणों से मामला कोर्ट में लगा गया और प्रवेश प्रक्रिया रोक दी गई थी. 10 साल बाद बीते दिनों हुई बैठक के अब फिर से इसे शुरू कराया गया है.

शिक्षक बनेंगे रिसर्च गाइड

कोआर्डिनेटर ने साफ कहा है कि

इसका रखें ध्यान

- **26 दिसंबर** : ऑनलाइन पंजीकरण और शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि
- **31 दिसंबर तक** : फार्म सब्मिट करने की अंतिम तिथि
- **12 जनवरी** : विश्वविद्यालय की ओर से प्रवेश परीक्षा के लिए एडमिट कार्ड जारी होना
- **30 जनवरी** : प्रवेश परीक्षा का आयोजन
- **18 फरवरी** : पीएचडी प्रवेश परीक्षा के नतीजे जारी होना
- **समस्या के लिए यहां करें संपर्क** : 7525048025

इन विषयों में पीएचडी

एजुकेशन, पॉलिटिकल साइंस, हिस्ट्री, हिन्दी, संस्कृत, कम्प्यूटर साइंस, कॉमर्स, मैनेजमेंट, पत्रकारिता, हेल्थ साइंस, एग्रीकल्चर.

ये हैं आवेदन के लिए पात्र

- जिस विषय में पीएचडी करनी है, उसमें पीजी में 55 फीसद अंक जरूरी
- एससी-एसटी वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए : 50 फीसद अंक जरूरी
- पीएचडी पूरी करने का समय : कम से कम तीन वर्ष

नए पीएचडी अध्यादेश में

व्यवस्था में रिसर्च डायरेक्टर बाहर से एलॉट किए जाते थे. विश्वविद्यालय

राजर्षि टंडन मुक्त विवि में पीएचडी के ऑनलाइन आवेदन फिर से शुरू

जागरण संवाददाता, बरेली: पीएचडी में दाखिले का इंतजार करने वाले अभ्यर्थियों को अच्छी खबर है। अब राजर्षि टंडन मुक्त विवि प्रयागराज फिर से पीएचडी दाखिले लेगा। 2010 के बाद से यह प्रक्रिया रुकी थी। इसे शुरू करते हुए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया चालू है। अभ्यर्थी 11 विषयों में विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.uprtou.ac.in पर आवेदन कर सकते हैं। इसमें शैक्षिक अर्हता से लेकर पूरा विवरण अपलोड है।

राजर्षि टंडन विश्वविद्यालय के बरेली कोआर्डिनेटर डॉ. आरबी सिंह ने बताया कि पहले विवि लगातार पीएचडी दाखिले कराता था, लेकिन कुछ कारणों से मामला कोर्ट में लग गया और प्रवेश प्रक्रिया रोक दी गई थी। 10 साल बाद बीते दिनों हुई बैठक के बाद फिर से शुरू कराया है।

विवि कैंपस के शिक्षक ही बनेंगे रिसर्च गाइड: कोआर्डिनेटर ने कहा है कि पीएचडी की रिसर्च गाइड सिर्फ विवि परिसर के शिक्षक ही बन सकेंगे। पहले की व्यवस्था में रिसर्च डायरेक्टर बाहर से अलॉट किए जाते थे। विवि में सिर्फ थीसिस जमा करने के बाद डिग्री अवार्ड कर दी जाती थी।

इन विषयों में कर सकेंगे पीएचडी: एजुकेशन, पॉलिटिकल साइंस, हिस्ट्री, हिंदी, संस्कृत, कंप्यूटर साइंस, कॉमर्स, मैनेजमेंट, पत्रकारिता, हेल्थ साइंस, एग्रीकल्चर।

इनका रखें ध्यान

- ऑनलाइन पंजीकरण और शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि : 26 दिसंबर
- फार्म सबमिट करने की अंतिम तिथि : 31 दिसंबर तक
- विवि की ओर से प्रवेश परीक्षा के लिए एडमिट कार्ड जारी होने की तिथि : 12 जनवरी
- प्रवेश परीक्षा का आयोजन : 30 जनवरी
- पीएचडी प्रवेश परीक्षा के नतीजे जारी होना : 18 फरवरी
- समस्या के लिए यहां करें संपर्क : 7525048025

ये हैं आवेदन के लिए पात्र

- जिस विषय में पीएचडी करनी है, उसमें पीजी में 55 फीसद अंक जरूरी
- एससी-एसटी वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए : 50 फीसद अंक जरूरी
- पीएचडी पूरी करने का समय : कम से कम तीन वर्ष

यूपीआरटीओयू में 31 तक पीएचडी के लिए करें आवेदन

जासं, नोएडा : उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में 2010 के बाद पीएचडी के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू की गई है। 10 वर्षों से बंद शोध प्रक्रिया को एक बार फिर विश्वविद्यालय ने शुरू कर दिया है। यूजीसी, राज्यपाल और विवि की कार्यपरिषद की मंजूरी मिलने के

छात्रों को छह माह का प्री-पीएचडी कोर्स करना होगा। छात्रों को अपने गाइड विश्वविद्यालय से ही चुनने होंगे, अब छात्रों को बाहर से गाइड लेने की अनुमति नहीं होगी। पीएचडी में प्रवेश लेने के इच्छुक आवेदक विवि में उपलब्ध कंप्यूटर साइंस, एग्रीबिजनेस मैनेजमेंट, न्यूट्रिशन

News Letter

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10,1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University , Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

27 नवम्बर, 2020

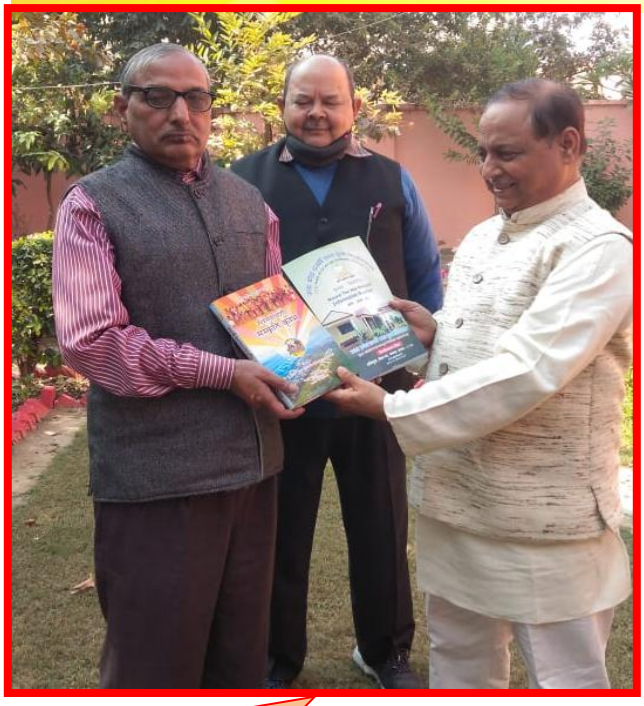

मा0 न्यामूर्ति रणविजय सिंह जी

मा0 न्यामूर्ति डी.पी. सिंह जी

मा0 न्यायमूर्ति रणविजय सिंह जी एवं मा0 न्यायमूर्ति डीपी सिंह जी को विश्वविद्यालय की विवरणिका एवं सर्व समावेशी कुंभ की किताब भेंट करते हुए विश्वविद्यालय के मा0 कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह जी।

News Letter

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10,1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University , Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

30 नवम्बर, 2020

मुक्त विवि के कुलपति को राज्य विवि का अतिरिक्त प्रभार

मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी

सूबे की राज्यपाल और राज्य विश्वविद्यालयों की कुलाधिपति आनंदी बेन पटेल की तरफ से प्रो. श्रीवास्तव को राज्य विवि से कार्यमुक्त करने का आदेश भी जारी कर दिया गया। कुलाधिपति के अपर मुख्य सचिव की तरफ से जारी आदेश के मुताबिक, राज्य विवि में नियमित वीसी की नियुक्ति तत्काल किया जाना सम्भव नहीं है। ऐसे में उत्तर प्रदेश राज्य विवि अधिनियम-1973 की धारा-12 (10) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मुक्त विवि के वीसी प्रो. केएन सिंह को पद के दायित्व के निर्वहन के लिए नियमित वीसी की नियुक्ति होने तक अथवा अग्रिम आदेश तक प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भय्या) विवि का कुलपति की जिम्मेदारी सौपी गई है।

वायु प्रदूषण से महिलाओं की याददाश्त कम हो रही पेज 14

हिन्दुस्तान

तरक्की को चाहिए नया नजरिया

गुरुपर्व की लख-लख बधाइयां

www.livehindustan.com

मुक्त विवि के कुलपति को राज्य विवि का अतिरिक्त प्रभार

सूबे की राज्यपाल और राज्य विश्वविद्यालयों की कुलाधिपति आनंदी बेन पटेल की तरफ से प्रो. श्रीवास्तव को राज्य विवि से कार्यमुक्त करने का आदेश भी जारी कर दिया गया। कुलाधिपति के अपर मुख्य सचिव की तरफ से जारी आदेश के मुताबिक, राज्य विवि में नियमित वीसी की नियुक्ति तत्काल किया जाना सम्भव नहीं है। ऐसे में उत्तर प्रदेश राज्य विवि अधिनियम-1973 की धारा-12 (10) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मुक्त विवि के वीसी प्रो. केएन सिंह को पद के दायित्व के निर्वहन के लिए नियमित वीसी की नियुक्ति होने तक अथवा अग्रिम आदेश तक प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भय्या) विवि का कुलपति की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

मुक्त विवि के कुलपति को राज्य विवि का प्रभार

राज्यपाल व राज्य विश्वविद्यालयों की कुलाधिपति आनंदी बेन पटेल ने मुक्त विवि के कुलपति प्रो. केएन सिंह को अगले आदेश तक राज्य विवि के कुलपति की जिम्मेदारी सौंपी है।

दैनिक जागरण

प्रो. संगीता श्रीवास्तव बनीं इविवि की पहली महिला कुलपति

उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विवि के कुलपति प्रो. केएन सिंह को राज्य विवि का अतिरिक्त प्रभार,आज दोनों वीसी संभालेंगे पदभार

जासं, प्रयागराज : इलाहाबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय (इविवि) की स्थायी कुलपति की तलाश पूरी हो गई है। प्रोफेसर राजेंद्र सिंह (रज्जू भइया) राज्य विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर संगीता श्रीवास्तव अब इसकी स्थायी कुलपति होंगी। केंद्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा मिलने के बाद उन्हें इस प्रतिष्ठित संस्थान में पहली महिला कुलपति बनने का गौरव हासिल होगा।

प्रो. संगीता श्रीवास्तव

राज्यपाल और प्रदेश के विश्वविद्यालयों की कुलाधिपति आनंदी बेन पटेल की तरफ से जारी आदेश के क्रम में प्रो. संगीता श्रीवास्तव को रविवार को राज्य विवि से कार्यमुक्त भी कर दिया गया। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह को राज्य विवि का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। दोनों कुलपति सोमवार को पदभार ग्रहण कर लेंगे। इविवि में प्रो. संगीता ने वर्ष 1989 में बतौर लेक्चरर गृह विज्ञान विभाग में ज्वाइन किया था। उन्होंने इविवि से प्रो. पीसी गुप्ता के निर्देशन में पीएचडी की थी। उनके पति जस्टिस विक्रमनाथ गुजरात हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश हैं। रजिस्ट्रार प्रो. एनके शुक्ल ने बताया कि कुलपति सोमवार को पदभार ग्रहण कर लेंगी। संबंधित खबरें›› पेज 7

अमर उजाला प्रयागराज युवा Youth 6

राज्यपाल ने कार्यमुक्त का आदेश जारी किया, मुक्त विवि के कुलपति संभालेंगे राज्य विवि का कार्यभार

प्रदेश की राज्यपाल और कुलाधिपति आनंदी बेन पटेल ने इविवि की कुलपति नियुक्त किए जाने के बाद प्रो. संगीता श्रीवास्तव को कार्यमुक्त करने का आदेश जारी कर दिया। कुलाधिपति के अपर मुख्य सचिव महेश कुमार गुप्ता की तरफ से जारी आदेश के मुताबिक राज्य विवि में कुलपति का पद रिक्त हो जाएगा। ऐसे में नियमित कुलपति की नियुक्ति होने तक उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि के कुलपति प्रो. केएन सिंह को प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) विश्वविद्यालय के कुलपति की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

माननीया राज्यपाल एवं राज्य विश्वविद्यालयों की कुलाधिपति जी द्वारा उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी को राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति पद का अतिरिक्त जिम्मेदारी दिये जाने पर बधाई देते

News Letter

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10,1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University , Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

30 नवम्बर, 2020

मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति को राज्य विश्वविद्यालय का अतिरिक्त प्रभार

राज्य विश्वविद्यालय प्रयागराज के कुलपति पद पर कार्यभार ग्रहण करते हुए माननीय कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह जी

स्वतंत्र भारत

मुविवि में प्रवेश तिथि ७ नवंबर तक बढ़ी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज में प्रवेश सत्र जुलाई २०२०-२१ के प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ाकर ७ नवंबर २०२० कर दी गई है। यह जानकारी देते हुए प्रवेश प्रभारी ने बताया कि वैश्विक महामारी कोविड-१९ के कारण प्रदेश के विभिन्न अध्ययन केंद्रों पर छात्रों द्वारा अभी तक प्रवेश न ले पाने के कारण एक बार प्रवेश तिथि को और आगे बढ़ाया गया है। एम.बी.ए. तथा एम.सी.ए. में प्रवेश के इच्छुक प्रवेशार्थियों के पंजीकरण हेतु अंतिम तिथि भी १५ नवंबर तक बढ़ा दी गयी है। विभिन्न अध्ययन केंद्र समन्वयक एवं छात्रों की मांग पर लोकप्रिय कार्यक्रमों में प्रवेश सुविधा का लाभ देने के लिए कुलपति की अध्यक्षता में हुई बैठक में प्रवेश तिथि बढ़ाने का निर्णय लिया गया। मीडिया प्रभारी ने बताया कि प्रदेश के प्रयागराज, अयोध्या, लखनऊ, बरेली, आगरा, मेरठ, वाराणसी, झांसी, नोएडा, आजमगढ़, गोरखपुर तथा कानपुर आदि क्षेत्रीय केंद्रों से संबद्ध अध्ययन केंद्रों पर विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों के प्रथम, द्वितीय, तृतीय वर्ष में ७ नवंबर तक ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया संपन्न होगी।

दैनिक कर्मठ

राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित

प्रयागराज, बुधवार , 04 नवम्बर 2020 विक्रम संवत 2076 प्रातः संस्करण ईमेल -dainikkarmath@gmail.com पृष्ठ : 08

राजर्षि टंडन मुक्तविवि में प्रवेश की तिथि 7 नवंबर तक बढ़ी

प्रयागराज।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में प्रवेश सत्र जुलाई 2020–21 के प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ाकर 7 नवंबर 2020 कर दी गई है। यह जानकारी देते हुए प्रवेश प्रभारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने बताया कि वैश्विक महामारी कोविड–19 के कारण प्रदेश के विभिन्न अध्ययन केंद्रों पर छात्रों द्वारा अभी तक प्रवेश न ले पाने के कारण एक बार प्रवेश तिथि को और आगे बढ़ाया गया है।एम.बी.ए. तथा एम.सी.ए. में प्रवेश के इच्छुक प्रवेशार्थियों के पंजीकरण हेतु अंतिम तिथि भी 15 नवंबर तक तक बढ़ा दी गयी है। विभिन्न अध्ययन केंद्र समन्वयक एवं छात्रों की मांग पर लोकप्रिय कार्यक्रमों में प्रवेश सुविधा का लाभ देने के लिए कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में प्रवेश तिथि बढ़ाने का निर्णय लिया गया। मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि प्रदेश के प्रयागराज, अयोध्या, लखनऊ, बरेली, आगरा, मेरठ, वाराणसी, झांसी, नोएडा, आजमगढ़, गोरखपुर तथा कानपुर आदि क्षेत्रीय केंद्रों से संबद्ध अध्ययन केंद्रों पर विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों के प्रथम, द्वितीय, तृतीय वर्ष में 7 नवंबर तक ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया संपन्न होगी। ऐसे शिक्षार्थी जिन्होंने जुलाई सत्र के द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में अभी तक प्रवेश नहीं लिया है, वह भी बिना परीक्षा फल का इंतजार किए अपना प्रवेश सुनिश्चित करा सकते हैं।

R.N.I. UPHIN/2012/52437
संस्करण : प्रयागराज
वर्ष : 07
अंक : 25
पृष्ठ : 8
मूल्य : 1.00
बुधवार, 4 नवम्बर, 2020

जुनून है सच दिखाने का

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

प्रयागराज, लखनऊ एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं कौशाम्बी, भदोही, मिर्जापुर व वाराणसी से प्रसारित

मुक्त विश्वविद्यालय प्रवेश तिथि 7 नवंबर तक बढ़ी

संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में प्रवेश सत्र जुलाई 2020-21 के प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ाकर 7 नवंबर 2020 कर दी गई है। यह जानकारी देते हुए प्रवेश प्रभारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने बताया कि वैश्विक महामारी कोविड-19 के कारण प्रदेश के विभिनन्‍ अध्ययन केंद्रों पर छात्रों द्वारा अभी तक प्रवेश न ले पाने के कारण एक बार प्रवेश तिथि को और आगे बढ़ाया गया है।एम.बी.ए. तथा एम.सी.ए. में प्रवेश के इच्छुक प्रवेशाथिर्यों के पंजीकरण हेतु अंतिम तिथि भी 15 नवंबर तक बढ़ा दी

का लाभ देने के लिए कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में प्रवेश तिथि बढ़ाने का निणर्य लिया गया।

मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि प्रदेश के प्रयागराज, अयोध्या, लखनऊ, बरेली, आगरा, मेरठ, वाराणसी, झांसी, नोएडा, आजमगढ़, गोरखपुर तथा कानपुर आदि क्षेत्रीय केंद्रों से संबद्ध अध्ययन केंद्रों पर विभिनन्‍ शैक्षणिक कार्यक्रमों के प्रथम, द्वितीय, तृतीय वर्ष में 7 नवंबर तक ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया संपनन्‍ होगी। ऐसे शिक्षार्थी जिन्होंने जुलाई सत्र के द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में अभी तक प्रवेश नहीं लिया है, वह

PHIN/2012/44803

हिन्दी दैनिक

Email : harbaatft

हर बात

आपके साथ

अंक : 287 फतेहपुर, बुधवार, 04 नवम्बर, 2020 पृष्ठ : 8

मुक्त विश्वविद्यालय प्रवेश तिथि 7 नवंबर तक बढ़ी

हर बात संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में प्रवेश सत्र जुलाई 2020-21 के प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ाकर 7 नवंबर 2020 कर दी गई है। यह जानकारी देते हुए प्रवेश प्रभारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने बताया कि वैश्विक महामारी कोविड-19 के कारण प्रदेश के विभिनन्‍

गया है।एम.बी.ए. तथा एम.सी.ए. में प्रवेश के इच्छुक प्रवेशाथिर्यों के पंजीकरण हेतु अंतिम तिथि भी 15 नवंबर तक बढ़ा दी गयी है। विभिनन्‍ अध्ययन केंद्र समन्वयक एवं छात्रों की मांग पर लोकप्रिय कार्यक्रमों में प्रवेश सुविधा का लाभ देने के लिए कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में प्रवेश तिथि बढ़ाने का निणर्य लिया

बरेली, आगरा, मेरठ, वाराणसी, झांसी, नोएडा, आजमगढ़, गोरखपुर तथा कानपुर आदि क्षेत्रीय केंद्रों से संबद्ध अध्ययन केंद्रों पर विभिनन्‍ शैक्षणिक कार्यक्रमों के प्रथम, द्वितीय, तृतीय वर्ष में 7 नवंबर तक ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया संपनन्‍ होगी। ऐसे शिक्षार्थी जिन्होंने जुलाई सत्र के द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में अभी तक प्रवेश नहीं लिया है, वह